अध्याय
04

साँवले सपनों की याद

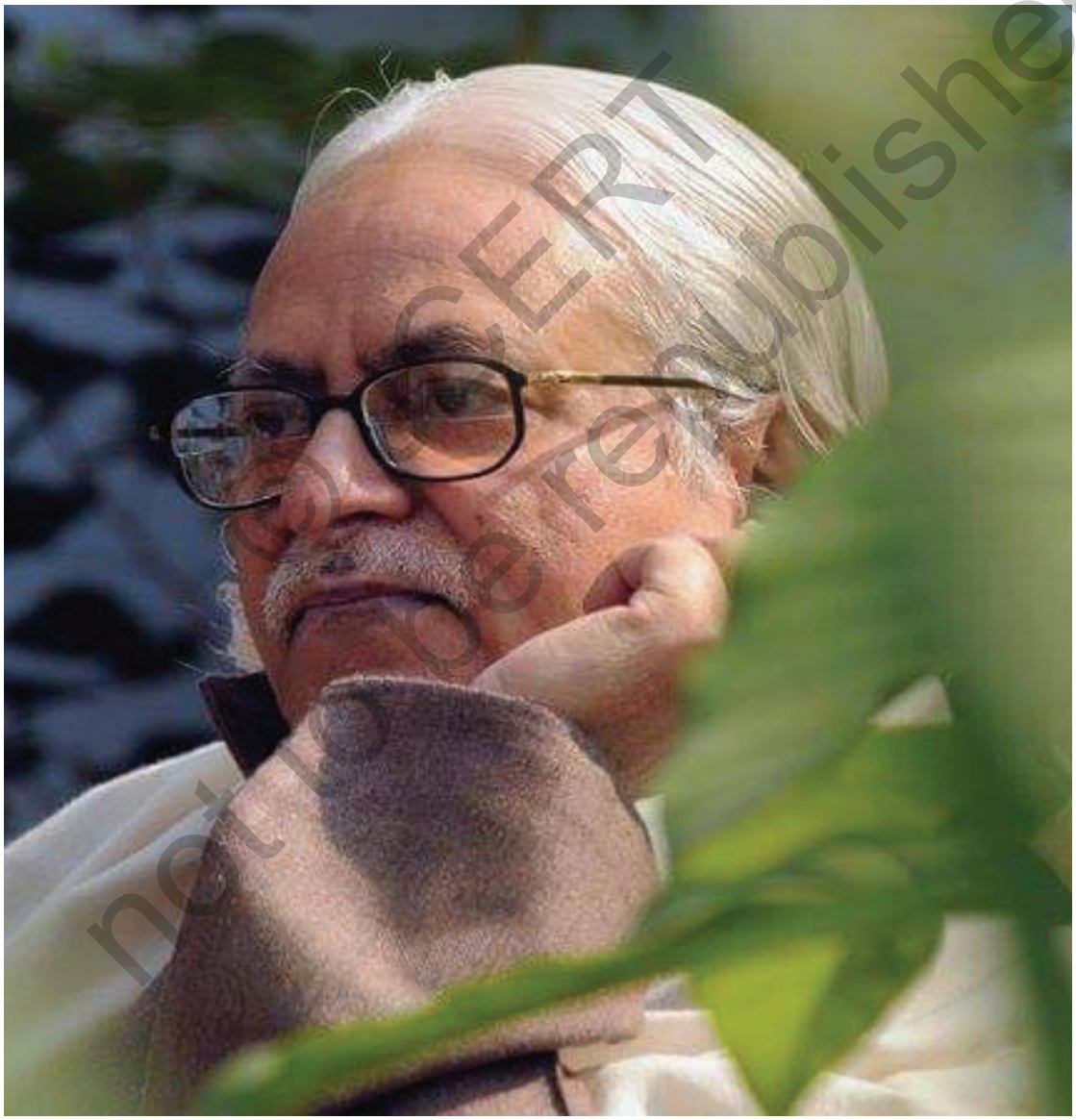

जाबिर हुसैन

© NCERT not to be republished

जाबिर हुसैन

जाबिर हुसैन

लेखक -परिचय
* जन्म- 5 जून 1945
* जन्म स्थान- नौनहीं गांव राजगीर, जिला नालंदा, बिहार
* एम.ए. अंग्रेजी विषय में किया।
* अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य के प्राध्यापक रहे ।
* हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी- तीनों भाषाओं पर समान अधिकार के साथ लेखन करते रहे।
* जाबिर हुसैन 1977 में मुंगेर से बिहार विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और मंत्री बने।

प्रमुख रचनाएं-
काव्य संग्रह:- हिंदी रचनाएं - नदी रेत भरी रेत रेत लहू।
कहानी-संग्रह:- आलोमा लाजावा, डोला बीबी का मजार।
डायरी विधा:- दो चेहरों वाली नदी, अतीत का चेहरा, जो आगे हैं।

साहित्यिक परिचय-
* जाबिर हुसैन जी ने अपने युग के समाज का गहन अध्ययन किया है।
* इन्होंने अपनी रचनाओं में आम आदमी के संघर्षरत जीवन को अभिव्यक्ति प्रदान की है।
* उन्हें समाज के जीवन में जो विषमताएं दिखाई दी, उसका ही वर्णन नहीं किया बल्कि कुछ अच्छा लगा उसका भावात्मकता के स्तर पर चित्रण किया है।
* उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से अपने राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन के अनुभव को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।
* उनकी रचनाओं में समाज के आम आदमी के जीवन के संघर्षों का उल्लेख भी हुआ है।
* संघर्षरत आम आदमी और विशिष्ट व्यक्तियों पर लिखी गई उनकी डायरियां बहुत चर्चित हुई है।

उन्होंने अपने संस्मरण में अत्यंत सरल सहज एवं व्यवहारिक भाषा का प्रयोग किया है।
* जाबिर हुसैन का 3 भाषाओं (हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी पर समान अधिकार है।)
* उनकी हिंदी भाषा में तत्सम शब्दों के साथ-साथ उर्दू भाषा के शब्दों का प्रयोग हुआ है।
* व्यक्ति चित्र को सजीव रूप में प्रस्तुत करना इनके भाषा की प्रमुख विशेषता है।
* भाषा का प्रवाह और अभिव्यक्ति की शैली हृदयस्पर्शी है।

© JCERT not to be republished

पाठ का सांराश

इस पाठ में लेखक हुसैन जी ने पक्षी प्रेमी सालिम अली का स्मरण करते हुए उनका व्यक्तित्व परिचय दिया है। लेखक ने बताया वो ठीक एक सैलानी के तरह अपने कंधो पर बोझ उठाये पलायन कर गए परन्तु यह उनका आखिरी पलायन था यानी वो मृत्यु को प्राप्त हुए।

वो प्रकृति में ठीक उस पक्षी की तरह विलीन हो गए जो आखिरी गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो। सालिम का मानना था की लोग पक्षियों को आदमी की नजर से देखना चाहते हैं।

लेखक ने वृन्दावन का जिक्र करते हुए कहा है की भले ही कृष्ण के बचपन की शरारतों को किसी ने नही देखा, कब उन्होंने घने पेड़ की छाहों में विश्राम किया और कब उन्होंने बांसुरी बजाई यह कोई नही जानता पर आज भी अगर कोई वृन्दावन जाकर नदी के सांवले पानी को देखे तो वह कृष्ण की याद दिला देता है। आज भी वृन्दावन कृष्ण की बांसुरी के जादू से खाली नही हुआ।

उसी तरह सालिम अली को भी पक्षी प्रेमी के रूप में हरदम याद किया जाएगा। पूर्व समय की याद करते हुए लेखक ने बताया है की वे उम्र की सौवें पड़ाव के करीब थे, यात्राओं की थकान ने उन्हें कमजोर कर दिया था और कैंसर जैसी जानलेवा मृत्यु उनके मौत का कारण बनी। परन्तु एक बात स्पष्ट थी की वे सब मिलकर उनकी आँखों से वह रोशनी छीनने में सफल नही हो पायीं जो पक्षियों की तलाश और उनके हिफाजत के प्रति समर्पित थीं।

अपने जीवन के एकांत क्षणों में भी वह दूरबीन के साथ पक्षियों को निहारते ही देखे गए। वे उनलोगों में से थे जो प्रकृति के प्रभाव में ना जाकर प्रकृति को अपने प्रभाव में लाता है। उन्होंने अपना जीवनसाथी अपने स्कूल सहपाठी तहमीना को चुना, जिन्होने हर लम्हे में उनका सहयोग दिया।

© JCERT not to be republished

पाठ का सारांश

सालिम जी अनेकों अनुभवों के मालिक थे। एक दिन वे केरल की 'साइलेंट वैली' को रेगिस्तानी हवाओं के झोंको से बचाने का अनुरोध लेकर पूर्व प्रधानमन्त्री चौधरी चरण सिंह से मिले थे जो की मिटटी पर पड़ी पानी की पहली बून्द का असर जाननें वाले नेता थे परन्तु पर्यावरण के संभावित खतरों के बारे में जब सालिम ने उन्हें अवगत कराया तब उनकी भी आँखे नम हो गयी।

सालिम ने अपनी आत्मकथा का नाम 'फॉल ऑफ़ स्पैरो' रखा। जिसमे उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए लेखक को डी.एच. लॉरेंस के बारे में लिखा है कि उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी से कहा गया कि वे अपने पति पर कुछ लिखें तब उन्होंने कहा कि उनके बारे में मेरे से ज्यादा मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया जानती है। मुमकिन है लॉरेंस सालिम का अटूट हिस्सा हों।वे सदा जटिल प्राणियों के लिए एक पहली रहेंगे बचपन में उनके एयरगन की शिकार एक गौरैया ने उन्हें पक्षी प्रेमी बनाकर जो राह राह दिखाई वे उन्हें नए-नए रास्तों की ओर ले जाती रही। वे एक भ्रमणशील व्यक्ति थे जो की प्रकृति के दुनिया में एक टापू के बजाए अथाह सागर बनकर उभरे।

पाठ का परिचय

इन्हें भी जाने

*'साँवले सपनों की चाद' जाबिर हुसैन द्वारा लिखित संस्मरण है जो प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सालिम अली को समर्पित हैं। यह संस्मरण जून 1987 में सालिम अली की मृत्यु से दुखी लेखक ने अपने और अवसाद को इस पाठ में व्यक्त किया है। लेखक ने सालिम अली को पक्षी विशेषज्ञ होने साथ पर्यावरण प्रेमी भी माना है।

*पक्षी विज्ञानी सालिम अली का जन्म 12 नवंबर 1896 में हुआ और मृत्यु 20 जून 1987 में। उन्होंने 'फॉल ऑफ ए स्पैरो 'नाम से अपनी आत्मकथा लिखी है जिसमें पक्षियों से संबंधित रोमांचक किस्से है। 'एक गौरैया का गिरना' शीर्षक से इसका हिंदी अनुवाद नेशनल बुक ट्रस्ट ने प्रकाशित किया है।

*डी.एच. लॉरेंस 1885-1930 बीसवीं सदी के अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार। उन्होंने कविताएं भी लिखी है, विशेषकर प्रकृति संबंधी कविताएं उल्लेखनीय है। प्रकृति से डी. एच. लॉरेंस का गहरा लगाव था।

शब्दार्थ

- गढ़ना - बनाना
- हुजूम - भीड़
- वादी - घाटी

© JCERT not to be republished

- सोंधी - सुगन्धित
- पलायन - दूसरी जगह चले जाना
- हरारत - गर्मी
- आबशार - झरना
- मिथक - प्राचीन पुराकथाओं का तत्व, जो नविन स्थितियों मे नए अर्थ का वहन करता हो।
- शोख - चंचल
- शती - सौ वर्ष का समय
- नैसर्गिक - स्वाभाविक

प्रश्न -अभ्यास

1. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया ?

उत्तर- एक बार बचपन में सालिम अली की एयर गन से एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। इस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया। इस घटना को देखकर सालिम अली का ह्रदय करुणा से भर गया ।वे गौरैया की देखभाल, सुरक्षा और खोजबीन में जुड़ गए। उसके बाद उनकी रूचि पूरे प्रकृति पक्षी-संसार की ओर मुड़ गई और इस कारण प्रकृति और पक्षी-प्रेमी बन गए।

2. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आंखें नम हो गई थी?

उत्तर- सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सामने रेगिस्तानी हवा के गर्म झोंके और उसके दुष्प्रभाव का उल्लेख किया। यदि इस हवा से केरल की साइलेंट वैली को न बचाया गया तो उसके नष्ट होने का खतरा उत्पन्न हो जाएगा। पेड़ पौधे सूख जाएंगे, वर्षा नहीं होगी, हरियाली नष्ट हो जाएगी, पक्षियों का चहचहाना सुनाई नहीं देगा। प्रकृति के प्रति ऐसा प्रेम और चिंता देखा उनकी आंखें नम हो गई।

3. लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है?"

उत्तर- लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा जानती थी कि लॉरेंस को गोरैया से बहुत प्रेम था। वे अपना काफी समय गौरैया के साथ बिताते थे। गौरैया भी उसके साथ अंतरंग साथी जैसा व्यवहार करती थी। उनके इसी पक्षी-प्रेम को उद्घाटित करने के लिए उन्होंने यह वाक्य कहा "मेरी छत पर बैठने वाली गोरिया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है"।

4. आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।

उत्तर- लॉरेंस बनावट से दूर रहकर प्राकृतिक जीवन जीते थे और प्रकृति से प्रेम करते हुए

© JCERT not to be republished

उसकी रक्षा के लिए चिंतित रहते थे। इसी तरह सालिम अली ने भी प्रकृति की सुरक्षा, देखभाल के लिए प्रयास करते हुए सीधा एवं सरल जीवन जीते थे।

(ख) कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा ।

उत्तर- मृत्यु ऐसा सत्य है जिसके प्रभाव स्वरूप मनुष्य सांसारिकता से दूर होकर चिर निंद्रा और विश्राम प्राप्त कर लेता है। जिस तरह कोई पक्षी अपना अंतिम गीत गाकर मर जाता है और प्रकृति में विलीन हो जाता है। उसे शरीर की गर्मी और हृदय की धड़कन देकर भी जीवित नहीं किया जा सकता है।उसी तरह मौत की गोद में विश्राम कर रहे सालिम अली को भी दोबारा जीवित करना असंभव है ।

(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाय अथाह सागर बनकर उभरे थे।

उत्तर- टापू बंधन तथा सीमा का प्रतीक है और सागर की कोई सीमा नहीं होती है। उसी प्रकार सालिम अली भी बंधन मुक्त होकर अपनी खोज करते थे। उनकी खोज की कोई सीमा नहीं होती थी ।वे इनके बारे में असीमित ज्ञान प्राप्त करके आथाह सागर-सा बन जाना चाहते थे।

5. इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा -शैली की चार विशेषताएं बताइए।

उत्तर- लेखक की भाषा शैली की विशेषताएं -

*इनकी शैली चित्रात्मक है। पाठ को पढ़ते हुए इसकी घटनाओं का चित्र उभरकर हमारे सामने आता है।

*लेखक ने भाषा में हिंदी के साथ-साथ कहीं-कहीं उर्दू तथा कहीं-कहीं अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग भी किया है।

*इनकी भाषा अत्यंत सरल तथा सहज है।

*अपनी मनोभावों व्यक्त करने के लिए अभिव्यक्ति शैली का सहारा लिया है।

6. इस पाठ के आधार पर लेख के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- प्रकृति प्रेमी सालिम अली एक विचारशील व्यक्ति थे। प्रकृति तथा पक्षियों के प्रति उनके मन में कभी ना खत्म होने वाली जिज्ञासा थी। उनका जीवन काफी रोमांचकारी था। पंछियों के विषय में नई-नई जानकारियां पाने की इच्छा उन्हें भ्रमण शील और यायावर बना दिया था। सालिम अली प्रकृति प्रेमी, पक्षी प्रेमी अपना संपूर्ण जीवन इन्हीं लोगों को समर्पित कर दिया।

7. 'सांवले सपनों की याद 'शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- सांवले सपनों की याद एक रहस्यात्मक शीर्षक है। यह रचना लेखक जाबिर हुसैन द्वारा अपने मित्र सालिम अली की याद में लिखा गया संस्मरण है। पाठ को पढ़ते हुए इसका शीर्षक 'सांवले सपनों की याद' अत्यंत सार्थक प्रतीत होता है।

© JCERT not to be republished

हर कोई इतना पक्षी प्रेम में डूब नहीं सकता। अतः वे उनकी यादों को ही अपने जीवन का सहारा बना लेते हैं।

रचना और अभिव्यक्ति

8. प्रस्तुत पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता को भी व्यक्त करता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं?

उत्तर- पर्यावरण को बचाना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है, क्योंकि जो हमारी रक्षा करता है हमें उसकी रक्षा करनी चाहिए। यदि हम उसकी रक्षा नहीं करेंगे तो हमारी रक्षा भी खतरे में आ जाएगी। पर्यावरण को बचाने के लिए अपना योगदान इस प्रकार दे सकते हैं-

*प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग कम से कम करना चाहिए।

*कूड़े को कूड़ेदान में ही डालना चाहिए।

*तालाबों, झीलों तथा नदियों में गंदगी नहीं डालनी चाहिए।

*विभिन्न रूपों में बार-बार प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए।

*पेड़-पौधों को कटने से बचाने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करना चाहिए।

प्रस्तुत पाठ जून 1987 में प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी सलीम अली की मृत्यु के तुरंत बाद डायरी शैली में लिखा गया संस्मरण है। सलीम अली की मृत्यु से उत्पन्न दुख और अवसाद को लेखक ने 'सांवले सपनों की याद' के रूप में व्यक्त किया है। सालिम अली का स्मरण करते हुए लेखक ने उनका व्यक्ति चित्र प्रस्तुत किया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सांवले सपनों की याद' के लेखक कौन है?

1. प्रेमचंद
2. जाकिर हुसैन
3. हरिशंकर परसाई
4. जाबिर हुसैन

उत्तर- जाबिर हुसैन

2. सालिम अली के अनुसार पक्षियों को किस नजर से देखना चाहते हैं।

1. पक्षियों की नजर से
2. जानवरों की नजर से
3. आदमी की नजर से
4. इनमें से नहीं

उत्तर- आदमी की नजर से

© JCERT not to be republished

3. जाबिर हुसैन का जन्म कब और कहां हुआ?

1. 1945 में उत्तर प्रदेश में
2. 1945 उत्तर प्रदेश में
3. 1945 बिहार में
4. 1955 बिहार में

उत्तर- 1945 बिहार में

4. जाबिर हुसैन बिहार विधान सभा के सभापति कब चुने गए चुने गए ?

1. 1975 में
2. 1985 में
3. 1990 में
4. 1995 में

उत्तर- 1995 में

5. जाबिर हुसैन के साहित्य में किस साहित्य विधा के दर्शन होते हैं?

1. उपन्यास
2. कहानी
3. डायरी
4. नाटक

उत्तर- डायरी

6. जाबिर हुसैन की कौन सी रचना है?

1. बीवी का द्वार
2. डोला बेबी का मजार
3. अतीत का चलचित्र
4. अतीत की रेखाएं

उत्तर- डोला बीवी का मजार

7. सालिम अली पक्षियों को खोजने के लिए क्या चीज अपने पास रखते थे?

1. बंदूक
2. किताब
3. चाकू
4. दूरबीन

उत्तर- दूरबीन

8. पक्षियों की सुंदर रहस्यमई दुनिया ने उन्हें बहुत ही क्या बना दिया था?

1. बुरा
2. अच्छा
3. परिश्रमी
4. आलसी

उत्तर- परिश्रमी

9. पक्षी विज्ञानी सालिम अली किसकी तरह प्रकृति में विलीन हो रहे हैं?

1. अग्नि की तरह
2. वन-पक्षी की तरह
3. वन्य-पशु की तरह
4. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- वन-पक्षी की तरह

10. वृंदावन किसकी जादू से कभी खाली नहीं होता?

1. राधा के सौंदर्य के
2. कृष्ण की बाँसुरी के
3. फूलों के
4. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- कृष्ण की बाँसुरी के

© JCERT not to be republished

11. सालिम अली की जीवन-संगिनी का क्या नाम था?

1. तहमीना
2. रहमीना
3. फैहमीना
4. मोमिना

उत्तर- तहमीना

13. सालिम अली को एक और नाम से जाना जाता है। बताइए वह नाम क्या है?

1. जीव वैज्ञानिक
2. बर्ड ऐनजल
3. बर्ड वाचर
4. बर्ड हंटर

उत्तर- बर्ड वाचर

14. इस पाठ में भारत के किस प्रधानमंत्री का उल्लेख

1. लाल बहादुर शास्त्री
2. इन्दिरा गाँधी
3. चौधरी चरण सिंह
4. राजीव गांधी

उत्तर- चौधरी चरण सिंह

15. सालिम अली की पुस्तक का क्या नाम था?

1. पक्षियों के देश में
2. फाल ऑफ द स्पैरों
3. प्रकृति के पुत्र
4. पर्यावरण सुरक्षा

उत्तर- फाल ऑफ द स्पैरों

16. लारेंस की पत्नी का क्या नाम था?

1. केरी
2. फ्रीडा
3. हिलेरी
4. साविधा

उत्तर- फ्रीडा

17. लॉरेंस और सालिम अली दोनों किससे गहरा लगाव रखते थे?

1. परिवार से
2. समाज से
3. प्रकृति से
4. देश से

उत्तर- प्रकृति से

18. सालिम अली की मृत्यु किस कारण से हुई थी?

1. कैंसर के कारण
2. निम्न रक्तचाप के कारण
3. हृदयाघात के कारण
4. क्षयरोग के कारण

उत्तर- कैंसर के कारण

19. डी.एच. लॉरेंस किस भाषा के अच्छे उपन्यासकार तथा कवि थे?

1. फ्रेंच
2. अंग्रेजी
3. हिंदी
4. रूसी

उत्तर- अंग्रेजी

20. "साइलेंट वैली" किसे कहा गया है?

1. एक केरलाई चिड़िया को
2. पहाड़ों को
3. केरल के वर्षा वन को
4. केरल के नारियल के पेड़ों क

उत्तर- केरल के वर्षा वन को

© JCERT not to be republished